Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार - 1

अध्याय - 3 : निजी, सार्वजनिक एवं भूमंडलीय उपक्रम

भाग - 1

विभागीय उपक्रम

रूचिका सैनी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. विभागीय उपक्रम
2. वैधानिक निगम
3. सरकारी कंपनी
4. सार्वजनिक क्षेत्र की बदलती भूमिका
5. बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ/भूमंडलीय उपक्रम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- विभागीय उपक्रम
  (Departmental Undertakings)
- वैधानिक निगम
  (Statutory Corporation)
- सरकारी कंपनी
  (Government Companies)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विभागीय उपक्रम (Departmental Undertakings)

- इसमें उपक्रम को किसी मंत्रालय के एक विभाग के रूप में स्थापित किया जाता हो।
- इसका वित्त प्रबंध, प्रशासन तथा नियंत्रण केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार अथवा दोनों के द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता हो।

जैसे – भारतीय रेलवे, डाक तथा तार, दूरदर्शन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विभागीय उपक्रम के लक्षण

- इन उपक्रमों के लिए धन सरकारी खजाने से सीधे आता है।
- अन्य सरकारी क्रियाओं के समान इन पर भी लेखांकन एवं अंकेक्षण नियंत्रण लागू होते हैं।
- इन उपक्रमों के कर्मचारी सरकारी कर्मचारी कहलाते हैं।
- मंत्रालय के प्रति जवाबदेह।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



लाभ

- संसद के लिए इनका प्रभावी नियंत्रण सुगम।
- उच्च स्तर की सार्वजनिक जवाबदेही सुनिश्चित।
- इसमें उपक्रम की अर्जित आगम सीधे सरकारी खजाने में चली जाती है अतः यह सरकार की आय का स्त्रोत।
- राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से यह सबसे अधिक उपयुक्त स्वरूप है क्योंकि यह मंत्रालय के सीधे नियंत्रण एवं निरीक्षण में होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सीमाएँ

- संगठन में लचीलेपन की कमी।
- कर्मचारी एवं विभागाध्यक्ष बिना संबंधित मंत्रालय के अनुमोदन के किसी भी मामले में स्वतंत्र निर्णय नहीं ले सकते।
- ये उपक्रम व्यावसायिक अवसरों का लाभ नहीं उठा पाते।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- दिन-प्रतिदिन के कार्यों में अत्यधिक लाल-फीताशाही है।
- मंत्रालय के माध्यम से राजनीतिक हस्तक्षेप होता है।
- ये संगठन उपभोक्ता की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील नहीं होते।



Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

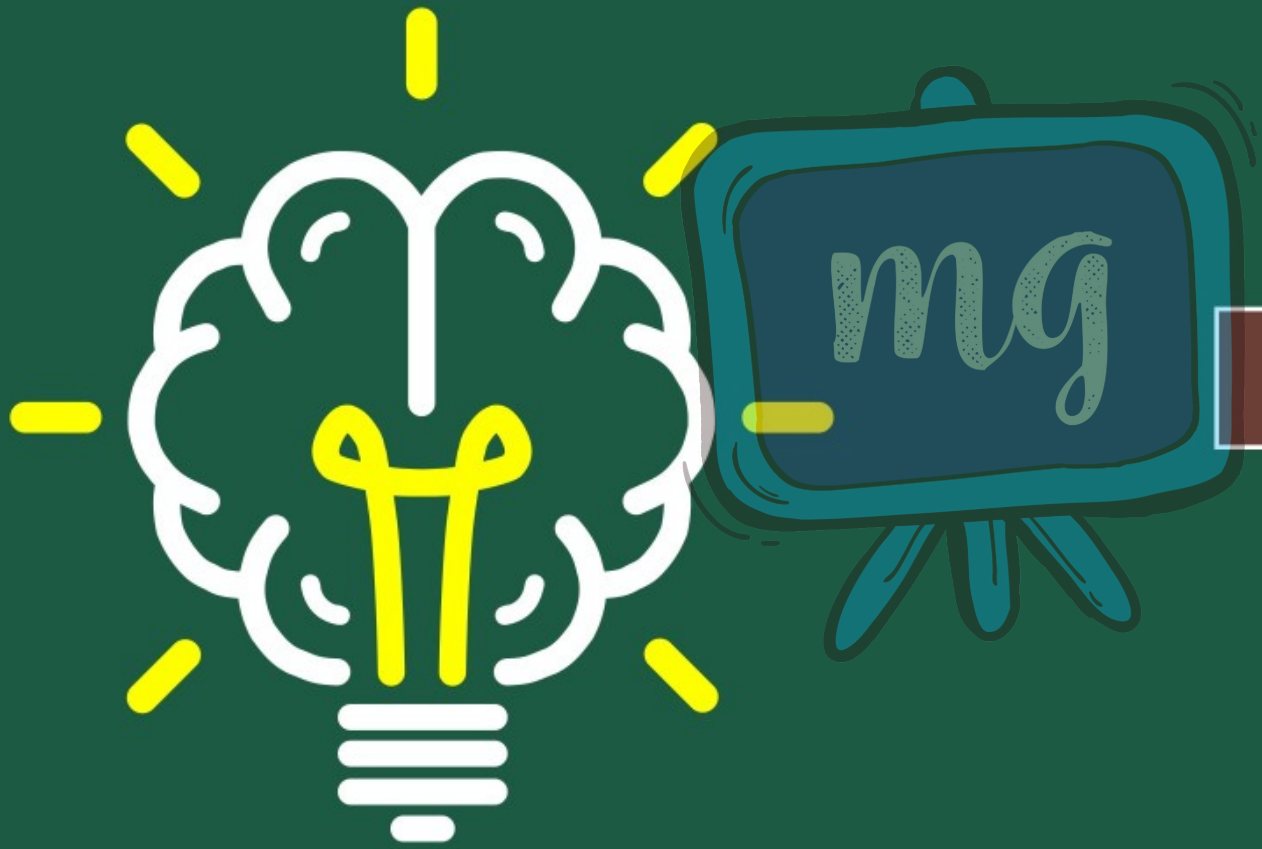

विभागीय उपक्रम

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 सार्वजनिक उद्यमों के स्वरूप हैं-

अ विभागीय उपक्रम

ब वैधानिक निगम

स सरकारी कंपनी

द उपरोक्त सभी (द)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2 भारत की अर्थव्यवस्था है–

अ पूंजीवादी

ब समाजवादी

स मिश्रित (स)

द इनमें से कोई नहीं



3 विभागीय उपक्रम के उदाहरण है –

- अ रेल्वे
- ब डाक और तार
- स दूरदर्शन
- द उपर्युक्त सभी (द)